

† [THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS/विदेश मन्त्रालय में उपमंत्री (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : Government have seen reports of the interview given by President Yahya Khan to the Special Correspondent of the French newspaper, 'Le Figaro', during which, according to the Correspondent, the Pakistan President used intemperate language against the Prime Minister.]

इस्पात का आयात

*428 श्री निरंजन वर्मा : क्या इस्पात और खान मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि योजना मन्त्रालय में राज्य मन्त्री, श्री मोहन धारिया ने अहमदाबाद में अपने भाषण में कहा था कि भारत 200 करोड़ रुपये के इस्पात का आयात करेगा; और

(ख) यदि हां, तो किन-किन देशों से आयात किया जायेगा और किन-किन पार्टियों को आयात सम्बन्धी लाइसेंस जारी किये गये हैं ?

† [IMPORT OF STEEL

*428. SHRI NIRANJAN VARMA : Will the Minister of STEEL AND MINES/इस्पात और खान मन्त्री be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Minister of State in the Ministry of Planning, Shri Mohan Dharia had said in his speech at Ahmedabad that India would import steel worth Rs. 200 crores ; and

(b) if so, the names of the countries from which the import will be made and parties to whom the import licences have been issued ?]

इस्पात और खान मन्त्री (श्री एस० मोहन कुमारमंगलम) : (क) जी हां ।

(ख) जापान, यू० के०, अमरीका, रूस, यूरोपीय साभा बाजार के देश, दूसरे यूरोपीय तथा पूर्व यूरोपीय देश और अन्य सभी देश जो

हमारी आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त इस्पात उचित शर्तों पर देने को तैयार होते हैं ।

इस्पात के आयात के लिए जिन पार्टियों को लाइसेंस दिये जाते हैं उनके नाम मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, द्वारा प्रकाशित किये जाने वाले साप्ताहिक बुलेटिन में दिये होते हैं । बुलेटिन की प्रतियाँ संसद के पुस्तकालय में उपलब्ध हैं ।

† [THE MINISTER OF STEEL AND MINES/इस्पात और खान मन्त्री (SHRI S. MOHAN KUMARAMANGALAM) : (a) Yes, Sir.

(b) Japan, U. K., U.S.A., U.S.S.R., E C.M. countries other European and East European Countries and all other countries who offer steel suited to our requirements, and at reasonable terms.

The names of the parties to whom the licences for import of steel are issued are given in a weekly bulletin published by the Chief Controller of Imports and Exports. Copies of the bulletins are available in the Parliament library.]

भारत में आये शरणार्थी

*429. श्री जगदीश प्रसाद माथुर :

श्री सुन्दर सिंह भडारी :

श्री लाल आडवाणी :

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :

श्री देवदत्त कुमार कीकाभाई :

पटेल :

डा० भाई महावीर :

श्री ना० कु० शेजवलकर :

श्री निरंजन वर्मा :

श्री मान सिंह वर्मा :

क्या अम और पुनर्वास मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान किन-किन देशों से शरणार्थी, विस्थापित या निष्कासित व्यक्ति भारत आये ;

(ख) किस-किस देश से ऐसे कितने-कितने

व्यक्ति यहाँ आये और उन पर कितना खर्च किया गया ;

(ग) भारत के किन-किन राज्यों में कितने-कितने व्यक्तियों का पुनर्वास किया गया है ; और

(घ) कितने परिवारों को जम्मू तथा काश्मीर राज्य में बसाया गया है ?

†[REFUGEE CROSSED OVER TO INDIA

*429. SHRI JAGDISH PRASAD

MATHUR

SHRI SUNDAR SINGH

BHANDARI :

SHRI LAL K. ADVANI :

SHRI J. P. YADAV :

SHRI DEVDATT KUMAR

KIKABHAI PATEL :

DR. BHAI MAHAVIR :

SHRI N. K. SHEJWALKAR :

SHRI NIRANJAN VARMA :

SHRI MAN SINGH VARMA :

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION/अभ और पुनर्वास मन्त्री be pleased to state :

(a) the names of the countries from which refugees, displaced persons or ex-terned persons have crossed over to India during the last three years ;

(b) the number of such persons who came here from each of the countries and the amount of expenditure incurred on them ;

(c) the names of States in India where they have been rehabilitated along with the number of persons settled in each of the States ; and

(d) the number of families which have been rehabilitated in Jammu and Kashmir State ?]

अभ और पुनर्वास मन्त्री (श्री आर० के० खाडिलकर) : (क) गत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति और बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावासी भारत आए हैं। इनके अलावा कुछ तिब्बती शरणार्थी भी भारत आए हैं।

गत तीन वर्षों के दौरान जिन देशों से

निष्कासित व्यक्ति भारत आये हैं उनके बारे में सूचना एकत्रित की जा रही है।

(ख) उन व्यक्तियों पर हुए खर्च के अलग अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं जो किसी विशेष वर्ष में आए हैं। उपलब्ध सूचना को दिखाने वाले विवरण I और II सभा की मेज पर रख दिये गये हैं। [देखिये परिशिष्ट LXXVIII, अनुपत्र संख्या 1]

(ग) और (घ) किसी विशेष वर्ष में आये व्यक्तियों को किन-किन राज्यों में बसाया गया है इस सम्बन्ध में अलग से सूचना उपलब्ध नहीं है। उपलब्ध सूचना को दिखाने वाला विवरण III सभा की मेज पर रख दिया गया है। [देखिए परिशिष्ट LXXVIII अनुपत्र संख्या 2]

†[THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION/अभ और पुनर्वास मन्त्री (SHRI R. K. KHADILKAR) : (a) Displaced persons from East Pakistan and repatriates from Burma and Ceylon have come to India during the last three financial years. In addition, some Tibetan refugees have also crossed over to India.

The information regarding countries from which ex-terned persons, if any, have crossed over to India during the last three years is being collected.

(b) Separate figures of expenditure on persons who had arrived in a particular year are not available. Statements I and II giving the information as available, are laid on the Table of the Sabha. [See Appendix LXXVIII, Annexure No. 1]

(c) and (d) Separate information about the States where persons who have arrived in a particular year have been rehabilitated is not available. Statement III giving the information as available is laid on the Table of the Sabha. [See Appendix LXXVIII, Annexure No. 2]

SOVIET UNION'S OFFER TO SHARE TECHNICAL KNOW-HOW WITH INDIA

*430. SHRI SITARAM KESRI : Will Minister of STEEL AND MINES/इस्पात और खान मन्त्री be pleased to state :

(a) whether the Soviet Union have